



दैनिक समाचार पत्र

भारतार्थ खबर

खबर नहीं, उसका अर्थ



देश | समाज | राजनीति | अर्थव्यवस्था | शिक्षा | संस्कृति | दुनिया

कच्चा तेल 100 डॉलर पार, शेयर बाजार धड़ाम

मोदी-शी जिनपिंग मुलाकात पर नजर



भारतार्थ खबर संवाददाता अशोक कुमार सिंह (Bhaaratarth.com)
नई दिल्ली, 9 सितंबर 2026। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से भारतीय शेयर बाजार पर दबाव बढ़ गया।

तनाव और तेल आपूर्ति को लेकर चिंता के कारण ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया। महंगा कच्चा तेल भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए चिंता बढ़ाता है, क्योंकि इससे आयात लागत और महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है। रुपये पर भी दबाव कच्चे तेल की तेजी और वैश्विक बाजारों में जोखिम बढ़ने का असर भारतीय रुपये पर भी पड़ा। बुधवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 95 के स्तर से नीचे कमजोर हुआ और करीब 95.08 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। IT शेयरों में ज्यादा बिकवाली बाजार की गिरावट में आईटी शेयरों पर खास दबाव रहा। निफ्टी आईटी इंडेक्स में करीब 3.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। बाजार में कुल 16 प्रमुख सेक्टरों में से 13 में गिरावट रही, जबकि ऊर्जा और धातु शेयरों में मजबूती दिखाई दी। आगे बाजार की नजर तेल और वैश्विक तनाव पर निवेशकों की नजर अब कच्चे तेल की कीमत, मध्य-पूर्व के घटनाक्रम और वैश्विक बाजारों के रुख पर रहेगी। यदि तेल की कीमत लंबे समय तक ऊंची रहेगी तो भारतीय बाजार में महंगाई और आर्थिक विकास को लेकर चिंता बढ़ सकती है।



भारतार्थ खबर संवाददाता अशोक कुमार सिंह (Bhaaratarth.com)
नई दिल्ली, 9 सितंबर 2026। भारत और चीन के रिश्तों में हाल के महीनों में आए बदलाव के बीच अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की संभावित मुलाकात पर पूरी दुनिया की नजर है। भारत में होने वाले आगामी BRICS शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग के शामिल होने की संभावना के बीच दोनों देशों के संबंधों को लेकर नई कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है।

सात साल बाद भारत आ सकते हैं शी शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा को इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह 2019 के बाद उनकी पहली भारत यात्रा होगी। दोनों देशों के बीच 2020 के सीमा तनाव के बाद संबंधों में काफी खटास आई थी। अब सीमा क्षेत्र में संवाद और उच्चस्तरीय बातचीत के जरिए रिश्तों को धीरे-धीरे सामान्य बनाने की कोशिश जारी है।

सीमा विवाद पर भी बातचीत जारी भारत और चीन के सैन्य अधिकारियों के बीच पूर्वी क्षेत्र में हाल ही में दो दिन की उच्चस्तरीय बातचीत हुई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक अरुणाचल प्रदेश के क्षेत्र में सीमा से जुड़े मुद्दों और स्थिरता बनाए रखने के प्रयासों का हिस्सा थी। दोनों देशों

के बीच सीमा संबंधी संवाद को आगे बढ़ाने के लिए सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर संपर्क जारी है।

रिश्तों में सुधार की कोशिश विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। BRICS सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी कई देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। ऐसे में मोदी और शी जिनपिंग की संभावित बातचीत भारत-चीन संबंधों के अगले चरण के लिए अहम संकेत दे सकती है।

कारोबार और सीमा पर रहेगी नजर भारत और चीन के बीच राजनीतिक संबंधों के साथ व्यापार और सीमा पर शांति भी महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार का असर आर्थिक सहयोग और द्विपक्षीय व्यापार पर भी पड़ सकता है। हालांकि सीमा विवाद सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दे अभी भी दोनों देशों के सामने मौजूद हैं।

फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि इफ्तेकर के मंच पर मोदी और शी के बीच संभावित बातचीत भारत-चीन संबंधों को कितना नया रास्ता देती है। दुनिया की निगाहें इस मुलाकात और उसके संभावित संस्कार पर टिकी हैं।

मोदी-पुतिन की बड़ी बैठक ओखला में सिलेंडर ब्लास्ट 16 राज्यों में बारिश अलर्ट



भारतार्थ खबर संवाददाता अशोक कुमार सिंह (Bhaaratarth.com)
नई दिल्ली, 9 सितंबर 2026। भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी को लेकर शुक्रवार को दिल्ली में महत्वपूर्ण बातचीत होने जा रही है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे। यह बैठक 18वें BRICS शिखर सम्मेलन से पहले होगी और इसमें दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा और आर्थिक सहयोग

संभावित बिक्री भी बातचीत के एजेंडे में शामिल है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच सहयोग के अन्य पहलुओं पर भी विचार कर सकते हैं। हालांकि अजित फौजदारों को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंजंजर रहेगा। BRICS से पहले अहम मुलाकात भारत 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में 18वें BRICS शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। पुतिन की भारत यात्रा इसी सम्मेलन के दौरान हो रही है। ऐसे में मोदी-पुतिन की द्विपक्षीय बैठक को इफ्तेकर से पहले भारत-रूस संबंधों की दिशा तय करने वाली महत्वपूर्ण बातचीत के तौर पर देखा जा रहा है। यूक्रेन और वैश्विक मुद्दों पर भी नजर दोनों नेताओं की बातचीत में यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्दे भी उठ सकते हैं। भारत लगातार संघर्षों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। मोदी-पुतिन की यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा और रक्षा सहयोग को लेकर बड़े बदलाव दिखाई दे रहे हैं। इसलिए शुक्रवार की बातचीत से निकलने वाले संकेतों पर भारत ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नजर रहेगी।

भारतार्थ खबर संवाददाता अशोक कुमार सिंह (Bhaaratarth.com)
नई दिल्ली, 9 सितंबर 2026। दिल्ली के ओखला फेज-1 इलाके में ऑक्सीजन सिलेंडर से जुड़ी दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत और चार लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और संबंधित एजेंसियों ने मामले की जांच शुरू की।

हादसे में एक की मौत मिली जानकारी के अनुसार ओखला फेज-1 में ऑक्सीजन सिलेंडर से जुड़ा विस्फोट हुआ। हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई, जबकि चार अन्य लोग घायल बताए गए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की जांच जारी हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों की ओर से जांच की जा रही है। सिलेंडर में विस्फोट किन परिस्थितियों में हुआ और सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं, इसकी जानकारी जांच के बाद सामने आने की उम्मीद है। सुरक्षा को लेकर सवाल ऑक्सीजन सिलेंडर जैसे उपकरणों के इस्तेमाल और पंड़ारण में सुरक्षा नियमों का पालन बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस हादसे ने औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं।

फिलहाल हादसे से जुड़े कारणों और जांच में सामने आने वाले तथ्यों पर नजर बनी हुई है। आधिकारिक जांच के बाद ही घटना की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

भारतार्थ खबर संवाददाता अशोक कुमार सिंह (Bhaaratarth.com)
नई दिल्ली, 9 सितंबर 2026। देश

बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी रह सकती है। कुछ क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना को देखते हुए लोगों को

भारत के कई हिस्सों में मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। दिल्ली-एनसीआर में भी बारिश और गरज-चमक की संभावना के चलते लोगों को मौसम पर नजर रखने की सलाह दी गई है।

तेज हवाओं की चेतावनी कुछ इलाकों में बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। ऐसे मौसम में खुले स्थानों, पेड़ों और कमजोर ढांचों के आसपास सावधानी बताना जरूरी है।

लोगों को सतर्क रहने की सलाह भारी बारिश वाले क्षेत्रों में जलभराव और यातायात प्रभावित होने की स्थिति बन सकती है। स्थानीय प्रशासन और मौसम विभाग के अपडेट पर नजर रखना लोगों के लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

मौसम का यह बदलाव आने वाले दिनों में भी अलग-अलग क्षेत्रों में जारी रह सकता है। ऐसे में लोगों को स्थानीय मौसम चेतावनियों को गंभीरता से लेने और जरूरत के अनुसार यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी जाती है।

राजस्थान निकाय चुनाव में बवाल, बूथों पर झड़प-पथराव; एश्ट ने भी रोकी वोटिंग

भारतार्थ खबर Bhaaratarth.com
जयपुर, 9 सितंबर 2026। राजस्थान में शहरों की सरकार चुनने के लिए बुधवार को पहले चरण का मतदान शुरू होते ही कई स्थानों पर चुनावी माहौल तनावपूर्ण हो गया। 162 नगरीय निकायों में मतदान के दौरान फर्जी मतदान के आरोप, प्रत्याशियों और समर्थकों के बीच झड़प, मारपीट, पथराव तथा ईवीएम में तकनीकी खराबी की घटनाएं सामने आईं। हालांकि, अधिकांश मतदान केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया जारी रही और बड़ी संख्या में मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपने मतों का प्रयोग किया। पहले चरण में 57 लाख से अधिक मतदाता 20,623 प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य का फैसला कर रहे हैं। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ। डीडवाना में विधायक से धक्का-मुक्की का आरोप डीडवाना-कुचामन जिले के डीडवाना में वार्ड-11 के मतदान केंद्र पर

निर्दलीय विधायक युनुस खान के साथ धक्का-मुक्की की घटना सामने आई। विधायक परिवार के साथ मतदान करने पहुंचे थे। उनके रिश्तेदारों ने कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशियों के समर्थकों पर वोटर आईडी छीनने का आरोप लगाया। युनुस खान ने दावा किया कि मतदान के दौरान उन पर तीसरी बार हमला किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पुलिस अधीक्षक से सुरक्षा की मांग की थी, लेकिन सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई गई। अलवर में फर्जी मतदान को लेकर विवाद अलवर के वार्ड-31 में कांग्रेस प्रत्याशी पवन शर्मा के बेटे शोका शर्मा पर फर्जी मतदान का आरोप लगाया गया। विवाद के बाद पुलिस उन्हें थाने ले गई। इसी जिले के वार्ड-43 में भाजपा प्रत्याशी

जगदीश अटल और उनके दोनों बेटों पर निर्दलीय प्रत्याशी अजय मीरवाल के समर्थकों से मारपीट का आरोप लगा। घायल मोहित और लोकेश जांगिड़ ने रिश्तेदारों को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंजंजर रहेगा।

जयपुर जिले के दूर क्षेत्र के बिंजोला गांव में भी फर्जी मतदान के आरोप को लेकर कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशी के

समर्थक आमने-सामने आ गए। पुलिस ने छह लोगों को हिरासत में लिया। सीकर के खंडेला में वार्ड-17 में भी कथित फर्जी मतदान को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ। अलवर के वार्ड-43 के कर्बीर पांच बजे उनके साथ मारपीट की गई और वाहन में तोड़फोड़ की गई। लोकेश के सिर में 15 टांके लगाए जाने की बात सामने आई है। धौलपुर में प्रत्याशी भिड़े धौलपुर नगर परिषद के वार्ड-57 में भाजपा प्रत्याशी पप्पू जाट और निर्दलीय प्रत्याशी कमलजीत के बीच कहासुनी के बाद हाथापाई हो गई। दोनों पक्षों के समर्थक भी मौके पर पहुंच गए, जिससे मतदान केंद्र पर तनाव की स्थिति पैदा हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को अलग किया। जयपुर जिले के दूर क्षेत्र के बिंजोला गांव में भी फर्जी मतदान के आरोप को लेकर कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशी के

कथित रूप से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मतदान किए जाने की शिकायत की और चैलेंजिंग वोट की मांग की। जालोर में भी कथित रूप से फर्जी मतदान करने पहुंचे एक व्यक्ति को बूथ से बाहर कर दिया गया। उसके भागने की कोशिश के दौरान प्रत्याशियों और समर्थकों द्वारा उसे पकड़ने और मारपीट किए जाने की जानकारी सामने आई। नागौर में पथराव, गोला बरसने में नागौर के खत्रीपुरा क्षेत्र में वार्ड-51 और 48 के मतदान को लेकर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय संख्या-5 स्थित बूथ पर विवाद हो गया। पथराव और हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दो लोगों को हिरासत में लिया। जोधपुर के बालेसर दुर्गावता में वार्ड-23 और 25 के मतदान केंद्रों पर भी दो पक्षों के बीच झड़प की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति नियंत्रित की।

भारतार्थ खबर Bhaaratarth.com

मनुष्य के जीवन में शब्दों की शक्ति को अक्सर उतनी गंभीरता से नहीं समझा जाता, जितनी समझी जानी चाहिए। तलवार से लगा घाव समय के साथ भर सकता है, किंतु कटु वचन से लगी चोट कई बार जीवनभर मनुष्य के मन में बनी रहती है। शब्द दिखाई नहीं देते, उनका कोई भौतिक आकार नहीं होता, लेकिन वे संबंधों को जोड़ने और तोड़ने की असाधारण क्षमता रखते हैं। यही कारण है कि भारतीय जीवन-दर्शन में वाणी के संयम को सदाचार और धर्म का महत्वपूर्ण आधार माना गया है। आज के संसार का मूल भाव भी यही है कि कठोर और कटु वचन मनुष्य के मर्मस्थान तक चोट पहुंचाते हैं। किसी व्यक्ति को शारीरिक पीड़ा देना जिना गंभीर है, उतना ही गंभीर किसी के मन को शब्दों से आहत करना भी हो सकता है। अपमान, तिरस्कार और कटुता के शब्द कई बार व्यक्ति के आत्मसम्मान को गहरी चोट पहुंचाते हैं। इसलिए धर्मग्रंथ और सदाचार का पालन करने

वाले व्यक्ति के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने विचारों, शब्दों और व्यवहार में करुणा तथा संयम को स्थान दे। वर्तमान समय में यह संदेश और अधिक प्रासंगिक हो गया है। समाज में संवाद बढ़ा है, लेकिन संवाद की शालीनता कई स्थानों पर कम होती दिखाई देती है। परिवारों में मतभेद, कार्यस्थलों पर तनाव, सार्वजनिक जीवन में आरोप-प्रत्यारोप और डिजिटल माध्यमों पर बढ़ती कटुता यह प्रश्न उठाती है कि क्या हम अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ अपनी वाणी की जिम्मेदारी को भी समझ रहे हैं? किसी विचार से असहमति होना स्वाभाविक है। लोकतांत्रिक और स्वस्थ समाज में मतभेदों का होना आवश्यक भी है। लेकिन मतभेद को मनभेद में बदल देना किसी व्यक्ति के विचारों का विरोध किया जा रहा है, लेकिन उसके सम्मान को उस पहुंचाना किसी भी सभ्य संवाद का उद्देश्य नहीं होना चाहिए। कठोर शब्दों से क्षणिक विजय भले ही मिल जाए, किंतु उसे संबंधों में आई दूरी को समाप्त करना कठिन हो सकता है।

वाणी की मधुरता, करुणा और समय का सदुपयोग ही सच्चा धर्म

बल्लारी चलो कल होगा पूरा, संघर्ष रहेगा जारी : बी.वाई. विजयेंद्र

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com
बल्लारी, 9 सितंबर 2026।भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र के नेतृत्व में राज्य सरकार के कथित भ्रष्टाचार, प्रशासनिक विफलता और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ निकाली गई बल्लारी चलो पदयात्रा का पहला चरण 10 सितंबर को समाप्त होगा। विजयेंद्र ने कहा कि पदयात्रा को मीडिया, सामाजिक कार्यकर्ताओं, भाजपा कार्यकर्ताओं और आम लोगों का व्यापक समर्थन मिला है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन का अंत नहीं, बल्कि संघर्ष के पहलू चरण का समापन है। बल्लारी में पत्रकारों से बातचीत में विजयेंद्र ने बताया कि पदयात्रा के दौरान कल 9 किलोमीटर की यात्रा कर वाल्मीकि सर्कल पहुंचा जाएगा। इसके बाद 10 सितंबर की सुबह विभिन्न मंदिरों में दर्शन के पश्चात वाल्मीकि सर्कल से सम्मेलन स्थल तक मार्च निकाला जाएगा।

गुरुदर्शन को वृंदावन रवाना हुआ श्रद्धालुओं का जत्था

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com
होसपेट, 9 सितंबर 2026। राजपुरोहित समाज के आराध्य ब्रह्मधाम तीर्थ आसोतरा के खेतेश्वर भगवान के परम शिष्य पूज्य तुलसारामजी महाराज का 46वां चतुर्मास तप-साधना अनुष्ठान इस वर्ष ब्रजभूमि वृंदावन में चल रहा है। गुरुदेव के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए कर्नाटक के विभिन्न क्षेत्रों सहित देशभर से श्रद्धालुओं के वृंदावन पहुंचने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में कोप्ल, बल्लारी, हुबली, गंतकल और होसपेट सहित विभिन्न क्षेत्रों से राजपुरोहित समाज के श्रद्धालुओं का एक जत्था वृंदावन के लिए रवाना हुआ। श्रद्धालुओं ने यात्रा के दौरान गुरुदेव के दर्शन, आशीर्वाद तथा समाज एवं परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करने की बात कही। बल्लारी से रेल मार्ग द्वारा रवाना हुए श्रद्धालुओं में पुखराज जसोल (कोप्ल), जेटुसिंह चांदेसरा (बल्लारी), गोरधन सिंह सोढ़ा (बल्लारी), राजुसिंह (गंतकल), जुठसिंह रेवतड़ा सहित अन्य श्रद्धालु शामिल रहे। जेटुसिंह चांदेसरा ने बताया कि पूज्य गुरुदेव तुलसारामजी महाराज ने देश के विभिन्न प्रमुख धार्मिक स्थलों और चार धाम सहित अनेक स्थानों पर चतुर्मास किए हैं। इस वर्ष उनका 46वां चतुर्मास वृंदावन धाम में हो रहा है। उनके दर्शन के लिए कर्नाटक के साथ देश के विभिन्न राज्यों से राजपुरोहित समाज के अलावा 36 कीम के श्रद्धालु भी पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु गुरुदेव के दर्शन कर आध्यात्मिक मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने के साथ परिवार, समाज और देश में सुख-शांति एवं खुशहाली की कामना करते हैं। इसी भावना के साथ श्रद्धालुओं का यह जत्था वृंदावन के लिए रवाना हुआ है। इस संबंध में जानकारी होसपेट निवासी जम्बरसिंह राजपुरोहित होसपेट ने दी।

भारत जोड़ो यात्रा की पांचवीं सालगिरह पर बीके हरिप्रसाद ने गिनाई यात्रा की वजहें



भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com
बेंगलुरु, 9 सितंबर 2026। भारत जोड़ो यात्रा की पांचवीं सालगिरह के अवसर पर कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (KPCC) के अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य केवल राजनीतिक गतिविधि नहीं, बल्कि देश में सामाजिक सद्भाव, शांति और एकता का संदेश देना था। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने विभिन्न वर्गों के लोगों से संवाद कर उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया। हरिप्रसाद ने अपने संबोधन में देश में जाति और धर्म के आधार पर होने वाली हिंसा, सामाजिक भेदभाव तथा अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्गों से जुड़े मुद्दों का उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के शासनकाल में नफरत का माहौल बढ़ा और इन घटनाओं के खिलाफ पर्याप्त आवाज नहीं उठाई गई। हालांकि, ये राजनीतिक आरोप हैं और इन पर भाजपा की प्रतिक्रिया को इस वक्तव्य में शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने गुजरात के बिलकिस बानो मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकरण में दैवियों की रिहाई और उनके स्वयंगत को लेकर देश में गंभीर सवाल उठे थे। इसी तरह उन्होंने हैदराबाद विश्वविद्यालय के शोषार्थी रहित वेमूला की आत्महत्या का जिक्र करते हुए सामाजिक भेदभाव के मुद्दे को उठाया। हरिप्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी के लिए भारत जोड़ो यात्रा प्रधानमंत्री बद्र हासिल करने का अभियान नहीं

पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। सम्मेलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों के पहुंचने की संभावना जताई गई है। विजयेंद्र ने कहा कि दस दिन की पदयात्रा पूरी होने के बाद भी भ्रष्टाचार और



जनसमस्याओं के खिलाफ भाजपा का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल सहित

हिमाचल कैबिनेट में फेरबदल की आहट, दिल्ली में जुटे सुक्खू सरकार के नेता

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com
शिमला, 9 सितंबर 2026। हिमाचल प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सुखचंद्र सिंह सुक्खू सहित सरकार और कांग्रेस संगठन से जुड़े कई वरिष्ठ नेता इन दिनों दिल्ली में हैं। कांग्रेस हाईकमान के साथ ही ब बैठकों के बाद प्रदेश मंत्रिमंडल में संभावित बदलाव को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार, मंत्रिमंडल में नए चेहरों को शामिल किए जाने की संभावना पर विचार हो रहा है। साथ ही मौजूदा मंत्रियों में भी बदलाव की अटकलें लगाई जा रही हैं। राजनीतिक गलियारों में दो मंत्रियों को मंत्रिमंडल से हटाए जाने की चर्चा भी है। हालांकि, इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक निर्णय सामने नहीं आया है और अंतिम फैसला कांग्रेस नेतृत्व को करना है। खरों से हुई हिमाचल के नेताओं की मुलाकत



राहुल गांधी के साथ भी बैठक की संभावना जताई जा रही है। दिल्ली में चल रही इन बैठकों को हिमाचल सरकार और संगठन में संभावित बदलाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। 2027 के विधानसभा चुनाव पर नजर हिमाचल प्रदेश

का आरोप विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि पदयात्रा के दौरान भाजपा के बैनर रातों-रात हटाए या फाड़े गए। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में अपनी मांग रखेंगी पर राजनीतिक दबाव में काम करने का आरोप लगाया। हालांकि, इन आरोपों पर सरकार दबाव में है और अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव में काम करने का आरोप लगाया। हालांकि, इन आरोपों पर सरकार या प्रशासन की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया इस बयान में सामने नहीं आई। वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में चुनाव लड़ने का दावा आगामी चुनावों को लेकर विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा वरिष्ठ नेताओं के सामूहिक नेतृत्व में चुनाव मैदान में उतरेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन का उल्लेख करते हुए संगठन की एकजुटता पर जोर दिया। नवाली रिजर्वॉयर को लेकर भाजपा का समर्थन नवाली रिजर्वॉयर पर परियोजना के मुद्दे पर विजयेंद्र ने भाजपा की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में परियोजना का निर्माण बाधा नहीं डालनी चाहिए। बैनर फाड़े जाने

हिमाचल कैबिनेट में फेरबदल की आहट, दिल्ली में जुटे सुक्खू सरकार के नेता

में विधानसभा चुनाव वर्ष 2027 में प्रस्तावित हैं। ऐसे में सरकार और संगठन में संभावित फेरबदल को चुनावी रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व के सामने सरकार में क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, राजनीतिक संतुलन और संगठन को मजबूत करने की चुनौती होगी। नए चेहरों को मंत्रिमंडल में मौका देने के साथ पार्टी संगठन में भी कुछ नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दिए जाने की चर्चा है। हालांकि, संभावित बदलावों को लेकर कांग्रेस की ओर से अभी कोई विस्तृत आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सुंदर ठाकुर की दावेदारी चर्चा में संभावित मंत्रिमंडल विस्तार में सुंदर ठाकुर का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है। मुख्यमंत्री सुखचंद्र सिंह सुक्खू पहले ही सुंदर ठाकुर को मंत्री बनाए जाने की घोषणा कर चुके हैं। हालांकि, मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने का अंतिम निर्णय

कांग्रेस हाईकमान की सहमति के बाद ही होगा। सुंदर ठाकुर के अलावा आशीष बुटेल भी दिल्ली में मौजूद बताए जा रहे हैं। ऐसे में संभावित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कांग्रेस नेतृत्व के साथ होने वाली बातचीत को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। क्या मौजूदा मंत्रियों की होगी छुट्टी? मंत्रिमंडल विस्तार के साथ सबसे बड़ा सवाल मौजूदा मंत्रियों में संभावित फेरबदल को लेकर है। राजनीतिक चर्चाओं में दो मंत्रियों को हटाए जाने की अटकलें चल रही हैं। इसके अलावा वरिष्ठ अथवा उम्मेदराज नेताओं को सरकार की जिम्मेदारी से हटाकर संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका देने का विकल्प भी चर्चा में बताया जा रहा है। यदि ऐसा कोई निर्णय होता है तो इसका असर कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर पड़ सकता है।

रायपुर में उद्योगों का महाकुंभ, 18 से 20 सितंबर तक इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com
रायपुर, 9 सितंबर 2026। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर 18 से 20 सितंबर तक देशभर के उद्योगपतियों, उद्यमियों, निवेशकों, खरीदारों और युवाओं की मेजबानी करेगी। साईंस कॉलेज ओपन ग्राउंड में 14वें इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर-2026 का आयोजन किया जाएगा। लघु उद्योग भारतीय की ओर से आयोजित तीन दिवसीय औद्योगिक मेले में प्रदेश के MSME, स्टार्टअप, निमाताओं और युवा उद्यमियों को राष्ट्रीय स्तर के कारोबारी नेटवर्क से जोड़ने पर जोर रहेगा। यह आयोजन केवल औद्योगिक उत्पादों की प्रदर्शनी तक सीमित नहीं रहेगा। व्यापार, निवेश, रोजगार, तकनीक, नवाचार और उद्यमिता को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से उत्पाद एवं तकनीक प्रदर्शनी, B2B बैठकें, निवेशकों से संवाद, रोजगार मेला, विशेषज्ञ सत्र और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री साय की प्रस्तावित मौजूदगी इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री विण्णुदेव साय के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने की जानकारी दी गई है।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों की भी उपस्थिति प्रस्तावित है। केंद्रीय मंत्री अरविन्दी वैष्णव और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं विचारक कृष्ण गोपाल की मौजूदगी भी प्रस्तावित बताई गई है। राष्ट्रीय स्तर के नीति-निर्माताओं, उद्योग प्रतिनिधियों और निवेशकों की भागीदारी से प्रदेश में औद्योगिक निवेश की संभावनाओं को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। स्थानीय उद्यमियों को राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की कोशिश छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा, कृषि एवं वन उत्पाद, ऊर्जा संसाधन और विकसित हो रहे औद्योगिक आधार के कारण प्रदेश में उद्योगों के विस्तार की संभावनाएं हैं। इसके बावजूद

ISKCON गोविंदस रेस्टोरेंट का लाइसेंस निलंबित, जुहू के 3 ठिकानों पर FDA की कार्रवाई

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com
मुंबई, 9 सितंबर 2026। मुंबई के जुहू स्थित परिसर में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों को लेकर महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) ने बड़ी कार्रवाई की है। FDA ने हरे कृष्ण लैंड परिसर में संचालित तीन खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए हैं। इनमें प्रसिद्ध गोविंदस रेस्टोरेंट और फूड सर्विसेज रेस्टोरेंट भी शामिल हैं। यह कार्रवाई FDA आयुक्त का पदभार संभालने के बाद आईएसएस अधिकारी तुकाराम मुंढे के नेतृत्व में खाद्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ चलाए जा रहे निरीक्षण अभियान की कड़ी के रूप में सामने आई है। 3 सितंबर को हुआ औचक निरीक्षण FDA



की टीम ने 3 सितंबर को जुहू स्थित ISKCON परिसर में तीन खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। विभाग के अनुसार, निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों, जांच रिपोर्ट और उपलब्ध तस्वीरों की समीक्षा के बाद लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई की गई। FDA का कहना है कि प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता, खाद्य भंडारण, कीट नियंत्रण और कर्मचारियों से जुड़े निर्धारित मानकों के अनुपालन में गंभीर कमियां पाई गईं। गोविंदस रेस्टोरेंट में क्या कमियां मिलीं? FDA की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, गोविंदस रेस्टोरेंट की रसोई और खाद्य संचालन व्यवस्था में कई खामियां सामने आईं। इनमें प्रमुख रूप से – भोजन बनाने और पीने में इस्तेमाल होने वाले पानी की नियमित प्रयोगशाला जांच का रिकॉर्ड नहीं मिला। - कच्चे खाद्य पदार्थों को उचित सफाई और उनके पृथक भंडारण की व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई। - कोल्ड स्टोरेज क्षेत्र में पानी जमा मिला। - नालियां जाम पाई गईं और उनमें आवश्यक ग्रीस या कॉकोरोच ट्रैप नहीं लगे थे। - रसोई में कीटों के प्रकोप की स्थिति देखी गई। - कुछ कर्मचारी एप्रन और दस्ताने के बिना काम करते पाए गए। FDA ने इन कमियों को खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के दृष्टिकोण से गंभीर माना है। फूड सर्विसेज रेस्टोरेंट में भी मिली अव्यवस्था परिसर के फूड सर्विसेज रेस्टोरेंट में भी FDA अधिकारियों ने कई कमियां दर्ज कीं। विभाग के अनुसार, रसोई के पिछले प्रवेश द्वार पर कीटों को रोकने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। इसके अलावा पके हुए और कच्चे खाद्य पदार्थों को अलग रखने की उचित व्यवस्था नहीं मिली। स्टोर रूम और नालियों में कीटों के मल तथा खाद्य अपशिष्ट मिलने की बात भी निरीक्षण रिपोर्ट में कही गई है। खाना बनाने में इस्तेमाल होने वाले तेल की गुणवत्ता की नियमित जांच के रिकॉर्ड भी नहीं मिले। कर्मचारियों के मेडिकल परीक्षण, टीकाकरण और प्रशिक्षण से संबंधित दस्तावेजों की अनुपलब्धता का भी FDA ने उल्लेख किया है। तीसरे प्रतिष्ठान पर भी कार्रवाई FDA के अनुसार, परिसर के तीसरे खाद्य प्रतिष्ठान में भी खाद्य सामग्री के भंडारण, उपकरणों के रखरखाव, साफ-सफाई और तामामान नियंत्रण से संबंधित निर्धारित मानकों में कमियां पाई गईं। विभाग ने इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए तीनों खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई की। ISKCON जुहू ने क्या कहा? FDA की कार्रवाई के बाद ISKCON जुहू की ओर से भी आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। संस्था ने कहा कि 3 सितंबर के निरीक्षण के बाद उसे FDA की ओर से नोटिस प्राप्त हुआ है। ISKCON के अनुसार, नोटिस में वर्तमान अनुपालन स्तर 70 प्रतिशत आंका गया है और कुछ सुधारात्मक उपायों की पहचान की गई है। संस्था का कहना है कि उसके प्रशासनिक प्रतिनिधि FDA अधिकारियों के संपर्क में हैं और विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आवश्यक सुधार किए जा रहे हैं।



भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com
बेंगलुरु, 9 सितंबर 2026। भारत जोड़ो यात्रा की पांचवीं सालगिरह के अवसर पर कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (KPCC) के अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य केवल राजनीतिक गतिविधि नहीं, बल्कि देश में सामाजिक सद्भाव, शांति और एकता का संदेश देना था। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने विभिन्न वर्गों के लोगों से संवाद कर उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया। हरिप्रसाद ने अपने संबोधन में देश में जाति और धर्म के आधार पर होने वाली हिंसा, सामाजिक भेदभाव तथा अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्गों से जुड़े मुद्दों का उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के शासनकाल में नफरत का माहौल बढ़ा और इन घटनाओं के खिलाफ पर्याप्त आवाज नहीं उठाई गई। हालांकि, ये राजनीतिक आरोप हैं और इन पर भाजपा की प्रतिक्रिया को इस वक्तव्य में शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने गुजरात के बिलकिस बानो मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकरण में दैवियों की रिहाई और उनके स्वयंगत को लेकर देश में गंभीर सवाल उठे थे। इसी तरह उन्होंने हैदराबाद विश्वविद्यालय के शोषार्थी रहित वेमूला की आत्महत्या का जिक्र करते हुए सामाजिक भेदभाव के मुद्दे को उठाया। हरिप्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी के लिए भारत जोड़ो यात्रा प्रधानमंत्री बद्र हासिल करने का अभियान नहीं

आधार पर सता में नहीं आई, बल्कि उसने राज्य में शांति और सामाजिक सौहार्द काम करने का वादा भी किया था। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की दिशा में काम किया है। उन्होंने कमीस कार्यकर्ताओं से राज्य में शांति और भाईचारे का माहौल बनाए रखने की अपील की। साथ ही कहा कि कार्यकर्ताओं को किसी व्यक्ति विशेष के पीछे चलने के बजाय पार्टी की विचारधारा और सिद्धांतों को समझना चाहिए। NEET और युवाओं के मुद्दे पर निशाना हरिप्रसाद ने अपने संबोधन में NEET परीक्षा से जुड़े प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा में अनियमितताओं से लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ और युवा कंग्रेस तथा छात्र कंग्रेस को इस विषय पर संघर्ष तेज करना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी तीखे राजनीतिक आरोप लगाए। हरिप्रसाद ने केंद्र सरकार की नीतियों और विपक्ष के साथ उसके व्यवहार की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लोकतांत्रिक मूल्यों और जनहित के मुद्दों पर सक्रिय रहना चाहिए। गांधी और अंबेडकर के विचारों का किया उल्लेख हरिप्रसाद ने महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता हासिल करना नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार, राजनीति का लक्ष्य समाज के कमजोर और वंचित लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना होना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पार्टी के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन और भारत की एकता से जुड़े विचारों को समझने की अपील की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के शांति और भाईचारे के संदेश को स्थानीय स्तर तक पहुंचाना ही भारत जोड़ो यात्रा की भावना को आगे बढ़ाने का प्रभावी तरीका होगा। हरिप्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नफरत के माहौल का जवाब आपसी प्रेम, सद्भाव और लोकतांत्रिक मूल्यों से देना चाहिए।



है। हालांकि इसे सभी हिंदी या क्षेत्रीय फिल्मों को पीछे छोड़ने वाली सबसे ऐतिहासिक फिल्म कहना फिलहाल तथ्यात्मक रूप से उचित नहीं होगा। नीम करोली बाबा से जुड़ी कहानी हनुमान अंश की कहानी नीम करोली बाबा के जीवन और उनकी शिक्षाओं से प्रेरित बताई गई है। इसी आध्यात्मिक और सामाजिक विषय के कारण फिल्म को दर्शकों के एक वर्ग से विशेष प्रतिक्रिया मिली है। UP में टैक्स-फ्री होगी फिल्म? मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद उत्तर प्रदेश में फिल्म को टैक्स-फ्री किए जाने की चर्चा भी तेज हुई है। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से फिल्म को टैक्स-फ्री करने की आधिकारिक घोषणा अभी सामने नहीं आई है। इसलिए इसे फिलहाल मांग और चर्चा के तौर पर ही देखा जाना चाहिए। वहीं, उत्तराखंड में फिल्म को टैक्स-फ्री किए जाने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। असली उपलब्धि क्या है? हनुमान अंश की कहानी और इसकी कम लागत के मुकाबले बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन ने एक महत्वपूर्ण सवाल भी खड़ा किया है—क्या मजबूत विषय और दर्शकों से जुड़ाव बड़े बजट से ज्यादा महत्वपूर्ण हो सकता है? फिलहाल फिल्म की टीम की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात और उत्तर प्रदेश में टैक्स-फ्री किए जाने की संभावित चर्चा पर दर्शकों की नजर बनी हुई है।



उद्योगपतियों, खरीदारों, वितरकों और निवेशकों से सीधे संपर्क का अवसर मिलेगा। इससे नए बाजारों और कारोबारी सहयोग और मार्गदर्शन से जुड़े अवसर मिलने पर नए उद्यमों को विस्तार देने में मदद मिल सकती है। विशेषज्ञ बताएंगे कारोबार की नई दिशान तीन दिवसीय आयोजन में विशेषज्ञों और सफल उद्यमियों के व्याख्यान एवं प्रेरक सत्र भी प्रस्तावित हैं। इनमें उद्यमिता, खरीदार और निवेशक आपसी कारोबारी संभावनाओं पर चर्चा कर सकेंगे। आयोजकों का उद्देश्य उद्यमियों को केवल उत्पाद प्रदर्शित करके का मंच देना नहीं, बल्कि उन्हे` नए खरीदारों` और व्यावसायिक साझेदारों से जोड़ना भी है। राष्ट्रीय स्तर के नीति-निर्माताओं, उद्योग प्रतिनिधियों और निवेशकों की भागीदारी से प्रदेश में औद्योगिक निवेश की संभावनाओं को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। स्थानीय उद्यमियों को राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की कोशिश छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा, कृषि एवं वन उत्पाद, ऊर्जा संसाधन और विकसित हो रहे औद्योगिक आधार के कारण प्रदेश में उद्योगों के विस्तार की संभावनाएं हैं। इसके बावजूद